कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
एम.ए. (ग्रामीण विकास एवं प्रसार) पाठ्यक्रम योजना 2022–23
सेमेस्टर प्रणाली
पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना

क्र.	विषय	सैद्धांतिक अंक		प्रायोगिक अंक		योग
	तृतीय सेमेस्टर	आंतरिक	बाह्य	आंतरिक	बाह्य	कुल
1.	भारत में ग्रामीण विकास	40	60	–	–	100
2	विकास के लिये नियोजन	40	60	–	–	100
3	ग्रामीण एवं कृषि अर्थशास्त्र	40	60	–	–	100
4	महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक विकास	40	60	–	–	100
	इंटर्नशिप	–	–	–	–	100
	कुल योग –	**160**	**240**	–	–	**500**
	चतुर्थ सेमेस्टर					
1.	सामुदायिक पोषण	20	30	20	30	100
2	गैर सरकारी संगठन एवं ग्रामीण विकास	40	60	–	–	100
3	ग्रामीण वित्त एवं उद्यमिता विकास	40	60	–	–	100
4	ग्रामीण विकास के लिये प्रौद्योगिकी	40	60	–	–	100
	कॉम्प्रेंसिव वाय–वा (मौखिक बाह्य परीक्षा)	–	–	–	–	100
	कुल योग –	**140**	**210**	**20**	**30**	**500**

परीक्षा प्रभारी
क.रू.इं.

प्रभारी प्राचार्य
कस्तूरबा ग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट
कस्तूरबा ग्राम, इन्दौर

Autonomous Institute
Kasturba Gandhi National
Memorial Trust, K Gram

कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट,कस्तूरबाग्राम,इन्दौर

2022-23

Elective Discipline Centric Course

कक्षा	–	एम.ए. III[rd] Sem.
विषय	–	भारत में ग्रामीण विकास (Rural Development in India)

कुल कालखंड–64

उद्देश्य

1. छात्राओं को ग्रामीण विकास की अवधारणा को समझाना।
2. छात्राओं को ग्रामीण विकास के लिए चल रही योजनाओं के बारे में जानकारी देना।
3. छात्राओं को स्वशासन की ईकाइयों के बारे में विस्तार से समझाना।

इकाई प्रथम – ग्रामीण विकास :

1. ग्रामीण विकास– अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा
2. ग्रामीण विकास – क्षेत्र, तत्व
3. ग्रामीण पिछडेपन के कारण
4. शहरीकरण की प्रकिया और ग्रामीण शहरी लिंकेज
5. ग्रामीण शहरी लिंकेज, अवसर एवं चुनौतियॉ **(14 कालखंड)**

इकाई द्वितीय – स्वपोषित विकास की अवधारणा :

1. स्वपोषित विकास – अवधारणा, दर्शन
2. स्वपोषित विकास के तत्व, सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय अंतःसंबंध
3. स्वपोषित विकास का गांधीवादी दर्शन **(12 कालखंड)**

इकाई तृतीय – आय और रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम :

1. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM)
2. महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम 2005
3. ड्वाकरा योजना, ट्रायसेम योजना
4. स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (SGSY) **(12 कालखंड)**

इकाई चतुर्थ – संरचनात्मक विकास एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम :

1. प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना (PMGSY)
2. सांसद आदर्श ग्राम योजना (SAGY)
3. स्वच्छ भारत अभियान
4. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (NRHM)
5. राजीव गांधी वाटरशेड मिशन **(14 कालखंड)**

अविरत 2

गोविन्द नागोर
विभागाध्यक्ष, प्रसार विभाग
कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट
कस्तूरबाग्राम, इन्दौर (म.प्र.)

इकाई पंचम – ग्रामीण विकास एवं स्वशासन :

1. पंचायतीराज व्यवस्था – अवधारणा एवं महत्व
2. लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण का अर्थ
3. पंचायतीराज की त्रिस्तरीय व्यवस्था
4. 73 वें संविधान संशोधन के मुख्य तत्व
5. ग्राम स्वराज–अवधारणा,संरचना,समितियाँ,अधिकार एवं वित्त के साधन **(12 कालखंड)**

संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं –

1. ग्राम स्वराज, डिबेट, विश्वास ऑफसेट, भोपाल 2001
2. व्यास वीरेन्द्र कुमार एवं सिंह अमरजीत– ग्राम स्वराज ग्रामोदय प्रकाशन, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट 2001
3. Singh Kartar : Rural Development , SAGE Punj.
4. Singh R.C. : Sustainable Development, B.S. Sharma and Brothers, Agra
5. Das H.H. : Introduction of Panchayati Raj and Community Development of India, Kalyani Publishers.
6. कुरूक्षेत्र, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, पटियाला हाउस, नई दिल्ली।
7. योजना, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, पटियाला हाउस, नई दिल्ली।

.....

कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट,कस्तूरबाग्राम,इन्दौर
2022-23
Core Course -I

कक्षा – एम.ए. IIIrd Sem.
विषय – विकास के लिए नियोजन
(Planning for Development)

कुल कालखंड–96

उद्देश्य –

1. छात्राओं को कार्यक्रम नियोजन के महत्व को समझाना।
2. छात्राओं को प्रसार कार्य में कार्यक्रम के कियान्वयन, अवलोकन एवं मूल्यांकन को समझाना।
3. छात्राओं को सहभागी ग्रामीण अध्ययन एवं प्रसार कार्य में इसका उपयोग करना सिखाना।

इकाई प्रथम – कार्यक्रम नियोजन अवधारणा :

1. कार्यक्रम नियोजन – अर्थ एवं महत्व
2. प्रसार कार्यक्रम – चरण, प्रकिया
3. कार्यक्रम नियोजन के सिद्धांत **(18 कालखंड)**

इकाई द्वितीय – परियोजना की पहचान एवं निर्माण :

1. परियोजना के अवसरों की पहचान
2. परियोजना प्रारूप के प्रशासकीय नियम
3. परियोजना प्रस्ताव का लेखन **(18 कालखंड)**

इकाई तृतीय – नियोजन उपागम :

1. त्वरित ग्रामीण अध्ययन (RRA), सहभागी सीखना एवं किया (PLA), कार्यक्रम मूल्यांकन एवं पुनर्मूल्यांकन तकनीक
2. सहभागी ग्रामीण अध्ययन (PRA) – अर्थ, विशेषता व सिद्धांत
3. सहभागी ग्रामीण अध्ययन के उपागम एवं साधन – सामाजिक मानचित्रण, संसाधन मानचित्रण, मौसमी चित्रण, चपाती चित्रण, मेट्रिक्स **(20 कालखंड)**

अविरत 2

मोतीलाल नागोर
विभागाध्यक्ष, प्रसार विभाग
कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट
कस्तूरबाग्राम, इन्दौर (म.प्र.)

इकाई चतुर्थ – कार्यक्रम कियान्वयन एवं मूल्यांकन :

1. कार्यक्रम कियान्वयन के चरण
2. सफल कार्यक्रम कियान्वयन के उत्तरदायी कारक
3. कार्यक्रम मूल्यांकन – अर्थ, उद्देश्य व चरण
4. मूल्यांकन की पद्धतियां – कार्यस्थल भ्रमण, बैठक, अवलोकन, जॉच सूची, प्रभाव का आंकलन। **(20 कालखंड)**

इकाई पंचम – प्रशिक्षण :

1. प्रशिक्षण – अर्थ, आवश्यकता
2. शिक्षण एवं प्रशिक्षण में अंतर
3. पारंपरिक और सहभागी प्रशिक्षण में अंतर
4. प्रशिक्षण में प्रशिक्षक की भूमिका
5. प्रशिक्षण के लिए अनुकूल परिस्थितियां
6. प्रशिक्षण की प्रविधियां –व्याख्यान, चर्चा, ब्रेन स्टार्मिंग, भूमिका निर्वहन, वैयक्तिक अध्ययन। **(20 कालखंड)**

संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं–

1. दुबे एवं सिंह : भारत में प्रसार शिक्षा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1986
2. Ray, G.L. : Extension, Communication & Management, Naya Prakashan, Calcutta, 1991
3. एन.जी.ओ. हैण्डबुक, नाभि पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2012
4. हरपालानी बी.डी., गृहविज्ञान में प्रसार शिक्षा, स्टार पब्लिकेशन आगरा
5. शर्मा मंजू एवं चौधरी संध्या, कार्यक्रम नियोजन एवं मूल्यांकन, शिवा प्रकाशन, इन्दौर
6. योजना, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, पटियाला हाउस, नई दिल्ली।
7. कुरूक्षेत्र, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, पटियाला हाउस, नई दिल्ली।

.....

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

// पाठ्यक्रम 2022–23 //

Elective Generic Course

कक्षा – एम.ए. तृतीय सेम.

विषय – ग्रामीण एवं कृषि अर्थशास्त्र

(Rural & Agriculture Economics)

कुल कालखंड–48

उद्देश्य :–

1. छात्राओं को कृषि वित्त एवं साख की जानकारी प्रदान करना।
2. छात्राओं को साख की पूर्ति एवं हरित कांति से परिचित करवाना।
3. छात्राओं को कृषि विपणन एवं कृषि मूल्य की जानकारी प्रदान करना।
4. छात्राओं को व्यापार चक्र, बीमा एवं ग्रामीण समस्या से अवगत करवाना।

इकाई प्रथम – कृषि वित्त एवं साख :– (08 कालखण्ड)

1. कृषि वित्त – अर्थ, महत्व, आवश्यकता
2. कृषि साख – भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि साख
3. भारत में कृषि वित्त के स्त्रोत
4. ग्रामीण ऋणग्रस्तता की समस्याओं के कारण, समाधान

इकाई द्वितीय – हरित कांति एवं कृषि उत्पादन – (10 कालखण्ड)

1. हरित कांति : भारतीय कृषि में नवीन रणनीति
2. हरित कांति की उपलब्धियां
3. हरित कांति की कमियॉ एवं सफलता के लिए सुझाव
4. कृषि के नए विकास – क्षेत्र, दूसरी हरित कांति, संभावनाएं, कृषि उत्पादकता निम्न होने के कारण व वृद्धि के सुझाव, म.प्र. की कृषि उत्पादकता की स्थिति

इकाई तृतीय – विपणन – (10 कालखण्ड)

1. कृषि विपणन – अर्थ, उद्देश्य, विपणन कियाएँ, भण्डारण व्यवस्था
2. कृषि उपज के विक्रय की विधियां, विपणन लागत, विपणन दक्षता
3. भारत में कृषि विपणन की वर्तमान व्यवस्था
4. सहकारी विपणन – कार्य, उपलब्धियां एवं कमियां

अविरत....2

गोविन्द नागोर
विभागाध्यक्ष, प्रसार विभाग
कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट
कस्तूरबाग्राम, इन्दौर (म.प्र.)

इकाई चतुर्थ – कृषि मूल्य – **(10 कालखण्ड)**

1. कृषि उत्पादों का मूल्य निर्धारण – अर्थ, आधार निर्धारण
2. कृषि उत्पादों की कीमत निर्धारण की विधिया
3. भारत में कृषि मूल्य – आवश्यकता, परिवर्तन, उतार–चढाव के प्रकार
4. कृषि मूल्यों में होने वाले उतार चढावों का प्रभाव
5. कृषि मूल्यों का स्थिरीकरण – आशय एवं उद्देश्य, महत्व, आवश्यकता
6. कृषि मूल्य नीति की समीक्षा

इकाई पंचम – व्यापार चक्र, बीमा एवं ग्रामीण समस्याएं – **(10 कालखण्ड)**

1. कृषि एवं व्यापार चक्र – आर्थिक उच्चावचनों के प्रकार, अवस्थाएं
2. भारत में कृषि बीमा योजना – फसल बीमा, पशु बीमा
3. भाारत में ग्रामीण बेरोजगारी और गरीबी की समस्या
4. भारत में खाद्य समस्या – कारण उपाय
5. भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली

संदर्भ ग्रंथः–

1. मिश्र जय प्रकाश : कृषि अर्थशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
2. जोशी एवं मिश्रा : कृषि अर्थशास्त्र के सिद्धांत एवं भारत में कृषि विकास, कॉलेज बुक डिपों जयपुर
3. माथुर बी.एल. : ग्रामीण अर्थशास्त्र, अर्जुन पब्लिकेशन, हाउस
4. माथुर, बी.एल. कृषि वित्त, अर्जुन पब्लिकेशन हाउस

.....

कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट,कस्तूरबाग्राम,इन्दौर
Elective Discipline Course 2022-23

कक्षा	–	एम.ए. III rd Sem.
विषय	–	महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक विकास (Women Empowerment & Gender Developme

Total Cr

उद्देश्य –

1. छात्राएं महिला सशक्तिकरण की अवधारणा को समझेंगी।
2. छात्राएं महिला सशक्तिकरण की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करेंगी।
3. छात्राएं महिला संबंधी संवैधानिक अधिकारों एवं कानूनों का ज्ञान प्राप्त

इकाई प्रथम – महिला सशक्तिकरण :

1. महिला सशक्तिकरण – अवधारणा, अर्थ एवं परिभाषा
2. महिला सशक्तिकरण – प्रकृति, उद्देश्य, एवं महत्व
3. भारत में महिला जनसांख्यिकी – लिंगानुपात, शैक्षिक स्थिति, शिशु मृत्यु ... मृत्यु दर (...its)

इकाई द्वितीय – लैंगिक विकास एवं महिलाएं :

1. लिंग(जेंडर) की अवधारणा – भूमिका एवं संरचना
2. सेक्स एवं जेंडर में अंतर
3. स्त्री–पुरूष असमानता – लिंगीय समानता, मनोवैज्ञानिक विश्लेषण, ...दी में स्त्रियों की स्थिति (...dits)

इकाई तृतीय – महिला का सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक सशक्ति

1. सामाजिक सशक्तिकरण – शिक्षा, पोषण, स्वच्छता एवं निर्णयन
2. आर्थिक सशक्तिकरण – स्वयं सहायता समूह (SHG), महिला उद्यमिता ... के लिए उद्यमिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर)
3. राजनैतिक सशक्तिकरण–महिला आरक्षण (पंचायत व रोजगार के क्षे... (...redits)

....2

इकाई चतुर्थ – महिलाओं का संवैधानिक सशक्तिकरण :

- महिलाओं के संवैधानिक अधिकार –
  - चिकित्सकीय गर्भ समापन अधिनियम (MTP Act 1971)
  - प्रसवपूर्व जांच तकनीक नियमन और रोकथाम अधिनियम (…
  - महिला सम्पत्ति अधिकार अधिनियम
  - बलात्कार के विरुद्ध कानून
  - घरेलू हिंसा निषेध अधिनियम, 2005
  - कार्यस्थल पर महिला यौन उत्पीड़न निषेध कानून, 2013
  - F.I.R.
  - कामकाजी महिलाओं के अधिकार

इकाई पंचम – महिला एवं लैंगिक विकास के लिए नीतियां व …

1. राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण नीति
2. महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम – आई.सी.डी.एस., स्वाधार, … राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, जन शिक्षण … री योजना, बालिका समृद्धि योजना
3. राष्ट्रीय महिला आयोग – उद्देश्य एवं कार्य

संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं –

1. नटाणी प्रकाश नारायण एवं मीना ज्योति : लिंग एवं समाज, रि… जयपुर।
2. श्रीवास्तव सुधा रानी एवं श्रीवास्तव रोहिणी : मानव अधिकार और … कामनवेल्थ पब्लिशर्स दिल्ली, 2001
3. पाण्डेय तेजस्कर एवं ओजस्कर : समाजकार्य, भारत बुक सेंटर, …
4. एन.जी.ओ. हैण्डबुक, नमि पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2012
5. कुरुक्षेत्र, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार … नई दिल्ली।
6. योजना, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार … नई दिल्ली।